

# अर्द्ध-वार्षिक परीक्षा, 2021-22

हिन्दी

A/40,000

कक्षा—10

समय : 3 घण्टे 15 मिनट ।

| पूर्णांक. 0

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सत्य है उसे पहचानकर लिखिए— 1

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक प्रसिद्ध निबन्धकार हैं।

(ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी एक महान कहानीकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(iii) जयशंकर प्रसाद एक प्रसिद्ध आलोचक हैं ?

(iv) उर्वशी के लेखक जयप्रकाश भारती हैं।

(ख) किसी एक जीवनी लेखक का नाम लिखिए। 1

(ग) 'कंकाल' किस विधा की रचना है ? 1

(घ) 'निर्मला' किसकी रचना है ? 1

(ङ) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए— 1

(i) रेती के फूल (ii) हिमालय की पुकार (iii) कानन-कुसुम।

2. (क) रीतिकाल की कोई प्रमुख दो प्रवृत्तियाँ लिखिए। 2

(ख) हिन्दी के दो महाकाव्यों के नाम लिखिए। 2

(ग) 'रानी केतकी की कहानी' किसकी रचना है ? 1

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

2 + 2 + 2 = 6

(क) रोहतास-दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी हुई युवती ममता शोण के तीक्ष्ण गम्भीर प्रवाह को देख रही थी। ममता विधवा थी। उसका यौवन शोण के समान ही उमड़ रहा था। मन में वेदना, मस्तक में आँधी, आँखों में पानी का बरसात लिए, वह सुख के कटक-शयन में विकल थी।

वह रोहतास दुर्गपति के मंत्री चूड़ामणि की अकेली दुहिता थी फिर उसके लिए कुछ अभाव होना असम्भव था, परन्तु वह विधवा थी— हिन्दू-विधवा संसार में सबसे तुच्छ निराश्रय प्राणी है तब उसकी विडम्बना का कहीं अन्त था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक ने ममता को कैसा बताया है ?

P.T.O.

(ख) संस्कृति अथवा सामूहिक चेतना ही हमारे देश का प्राण है। इसी नैतिक चेतना के सूत्र से हमारे नगर और ग्राम, हमारे प्रदेश और सम्प्रदाय, हमारे विभिन्न वर्ग और जातियाँ आपस में बँधी हुई हैं। जहाँ उनमें और सब तरह की विभिन्नताएँ हैं, यहाँ उन सब में यह एकता है। इसी बात को ठीक तरह से पहचान लेने से बापू ने जनसाधारण को बुद्धिजीवियों के नेतृत्व में क्रान्ति करने के लिए तत्पर करने के लिए इसी नैतिक चेतना का सहारा लिया था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक ने भारतीय संस्कृति के किस तत्व पर विशेष बल दिया है?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए—

2 + 4 = 6

(क) ऊधौ मोहि ब्रज विसरत नाहीं।

वृन्दावन गोकुल वन उपवन, सघन कुंज की छाहीं।

प्रात समय माता जसुमति अरु नंद देखि सुख पावत।

माखन रोटी दह्यौ सजायौ अतिहित साथ खवावत ॥

गोपी ग्वाल बाल संग खेलत, सब दिन हंसत सिरात।

सूरदास धनि-धनि ब्रजवासी, जिनसौं हित जदु-तात ॥

(ख) चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गुँथा जाऊँ।

चाह नहीं प्रेमी माला में विंध प्यारी को ललचाऊँ।

चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ।

चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।

मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ में देना तुम फेंक।

मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी एक रचना लिखिए—

2 + 1 = 3

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी एक रचना लिखिए—

2 + 1 = 3

(i) सूरदास (ii) बिहारी लाल (iii) रामनरेश त्रिपाठी।

6. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

1 + 3 = 4

एषा नगरी भारतीयसंस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति, इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः मुगल युवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय-दर्शन-शास्त्राणां अध्ययनम् अकरोत्। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्। यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसी भाषायां कारितः।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति।

कामं हित्वा र्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत् ॥

- (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक ऐसा श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2
- (ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए— 1 + 1 = 2
- (i) वाराणसी किमर्थ प्रसिद्धा ?  
(ii) अलक्षेन्द्रः कः आसीत् ?  
(iii) ग्रामीणान् कः उपाहसत् ?
8. (क) 'हास्य' रस अथवा 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2  
(ख) 'रोला' अथवा 'सोरठा' छन्द की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। 2  
(ग) 'रूपक' अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए। 2
9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए— 3  
(i) अन (ii) अभि (iii) उप (iv) निर (v) अ (vi) अप  
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए— 1 + 1 = 2  
(i) ता (ii) पन (iii) आई (iv) त्व (v) हट (vi) वट।  
(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास-विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए— 1 + 1 = 2  
(i) देश-विदेश (ii) त्रिनेत्रम् (iii) जल-थल (iv) चतुर्भुज  
(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए— 1 + 1 = 2  
(i) कन्धा (ii) आँसू (iii) गेहूँ (iv) नखत
10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए— 1 + 1 = 2  
(i) अश्व (ii) कामदेव (iii) पृथ्वी (iv) मेष (v) वायु।  
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए— 1 + 1 = 2  
(i) अति + आधारः (ii) प्रति + एक (iii) तथा + एव  
(iv) अति + आचार (v) देव + इन्द्रः  
(ग) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति द्विवचन में लिखिए— 1 + 1 = 2  
(i) 'मधु' अथवा 'फल' (ii) 'मति' अथवा 'नदी'  
(घ) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए— 2  
(i) भययाम् (ii) हसेत् (iii) पठेयम्  
(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 1 + 1 = 2  
(i) वह घर जाता है। (ii) सदा सत्य बोलना चाहिए।  
(iii) मैं विद्यालय कब जाऊँगा। (iv) वह घर गया।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए— 6

- (i) राष्ट्रीय एकता का महत्व
- (ii) पर्यावरण प्रदूषण—समस्या तथा रोकथाम
- (iii) जीवन में अनुशासन का महत्व
- (iv) मेरी प्रिय पुस्तक

12. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए— 3

(क) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर मुख्य पात्र का चरित्र चित्रण लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ग) (i) 'कर्मवीर भारती' खण्डकाव्य के आधार पर षष्ठ अंश का सारांश लिखिए। <https://www.upboardonline.com>

(ii) 'कर्मवीर भारती' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण लिखिए।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का कथासार संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के मुख्य नायक महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण लिखिए।

(ङ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर पं. जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर तृतीय सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(झ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।